भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 3177
गुरुवार, 6 अगस्त, 2026/15 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

उत्तर प्रदेश में विमानपत्तनों का विकास

3177. श्री राजीव रायः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) ग्रीनफील्ड विमानपत्तनों सहित वर्ष 2014 से अब तक उत्तर प्रदेश में स्थापित किए गए विमानपत्तनों का विमानपत्तन-वार ब्यौरा और संख्या कितनी है;

(ख) ऐसे प्रत्येक विमानपत्तन पर सरकार द्वारा किए गए व्यय का परियोजना-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) वर्तमान में अनुसूचित वाणिज्यिक यात्री उड़ानों का संचालन कर रहे ऐसे विमानपत्तनों की विमानपत्तन-वार संख्या कितनी है;

(घ) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि आजमगढ़ विमानपत्तन सहित कई नए उद्घाटन किए गए विमानपत्तन वर्तमान में नियमित वाणिज्यिक उड़ानों का संचालन नहीं कर रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) सरकार द्वारा ऐसे विमानपत्तनों पर वाणिज्यिक प्रचालनों को बहाल करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और ऐसे प्रत्येक विमानपत्तन के कब तक पूरी तरह से चालू हो जाने की संभावना है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): 2014 से अब तक, उत्तर प्रदेश में दो ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे स्थापित किए गए हैं, अर्थात नोएडा (जेवर) हवाईअड्डा, जिसकी लागत लगभग 11,764 करोड़ रुपये है और कुशीनगर हवाईअड्डा, जिसकी लागत 448 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त, उड़ान योजना के तहत, उत्तर प्रदेश में ग्यारह हवाईअड्डे अर्थात् आगरा (8 करोड़ रुपये), प्रयागराज (161 करोड़ रुपये), बरेली (104 करोड़ रुपये), कानपुर (135 करोड़ रुपये) अलीगढ़ (32 करोड़ रुपये), चित्रकूट (33 करोड़ रुपये), मुरादाबाद (30 करोड़ रुपये), आजमगढ़ (30 करोड़ रुपये), श्रावस्ती (33 करोड़ रुपये), हिंडन (47 करोड़ रुपये) और अयोध्या (347 करोड़ रुपये) प्रचालनरत किए गए हैं।

नोएडा (जेवर) हवाईअड्डे को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सार्वजनिक निजी भागीदारी मोड के तहत विकसित किया गया है।

(ग) से (□): मार्च 1994 में वायु निगम अधिनियम के निरसन के साथ ही, भारतीय घरेलू विमानन को नियंत्रणमुक्त कर दिया गया। यह एयरलाइन प्रचालकों पर निर्भर है कि वे

अपनी परिचालन और वाणिज्यिक व्यवहार्यता के आधार पर देश के किसी भी हवाईअड्डे से/के लिए हवाई सेवाएं शुरू करें।

वर्तमान में, उत्तर प्रदेश के 6 हवाईअड्डों पर अनुसूचित वाणिज्यिक उड़ान परिचालन एयरलाइन-संबंधी कारणों से अस्थायी रूप से निलंबित है। ये हवाईअड्डे कुशीनगर, अलीगढ़, आजमगढ़, चित्रकूट, श्रावस्ती और मुरादाबाद हैं।

दिनांक 04.07.2026 को शुरू की गई उड़ान योजना के अगले चरण के तहत, उपर्युक्त हवाईअड्डे "असेवित हवाईअड्डे" श्रेणी में बोली लगाने के लिए पात्र हैं। यदि कोई एयरलाइन इन हवाईअड्डों को जोड़ने वाले मार्गों पर आरसीएस उड़ानों के परिचालन के लिए वैध बोली प्रस्तुत करती है, तो इस पर योजना के प्रावधानों के अनुसार विचार किया जाएगा।

*****